घाग प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (GHAG PCL)

एक खेत - तीन धंधे

किसानों के लिए खुशहाली की नई क्रांति — हर महीने निश्चित कमाई का टिकाऊ मॉडल।

कनपा, पालीगंज (बिहार)

PUSA का ऐतिहासिक अनुबंध

1000 टन कृषि सामग्री आपूर्ति का गौरवशाली अनुबंध

- हमारी कंपनी को पूसा संस्थान (PUSA) से **1000** टन दालों एवं कृषि उत्पादों की आपूर्ति का आधिकारिक कॉन्ट्रैक्ट मिला है।
- यह हमारे क्षेत्र के किसानों के लिए **सीधी बाज़ार पहुँच** और उचित एवं ऊंचे मूल्यों की गारंटी देता है।
- अब हमारे क्षेत्र की फसलें सीधे देश के सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी और अनुसंधान संस्थानों तक पहुँचेंगी।

> सीधी गारंटी: दलालों एवं बिचौलियों का पूर्णतः अंत और वैश्विक बाजारों तक सीधी किसान पहुंच।

अनुबंध प्रपत्र (e-Stamp Copy)

बिहार सरकार द्वारा प्रमाणित आधिकारिक ई-स्टैंप अनुबंध विवरण:

[अनुबंध पर बीज उत्पादन संगठन के लिये एकरारनामा प्रपत्र]

INDIA NON JUDICIAL

Government of Bihar

e-Stamp

Certificate No.	:	IN-BR-2601239372
Certificate Issue Date	:	09-Jun-2026 12:13 PM
GRN No.	:	BHR20260604114859066963E
Unique Doc Reference	:	EST-BR-2808-2600013903
Party Name	:	GHAG PRODUCER COMPANY LTD
Purchased by	:	GHAG PRODUCER COMPANY LTD
Purpose	:	NA Article no (NA)
Stamp Duty Paid (Rs.)	:	1000 (One Thousand Only)
Reg. Fee (Rs.)	:	0 (Zero Only)
LLR & P Fee (Rs.)	:	0 (Zero Only)
Miscellaneous Fee (Rs.)	:	0 (Zero Only)
Discore SC (Rs.)	:	0 (Zero Only)
Total Amount (Rs.)	:	1000 (One Thousand Only)

अनुबंध पर बीज उत्पादन संगठन के लिये एकरारनामा प्रपत्र

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, बिहार के अन्तर्गत **धान्य/दलहनी/तेलहनी/ सब्जी /कन्दमूल एवं अन्य फसल** के बीजों के उत्पादन के लिये आज यह अनुबंध दिनांक **09.06.2026** को **निदेशक, बीज, रा०प्र०के०कृ०वि०वि०**, पूसा, समस्तीपुर एवं **बीज उत्पादकः** श्री/श्रीमती **सतीश पाण्डेय** अध्यक्ष **घाघ प्रोडयूसर कम्पनी लिमिटेड** ग्राम **बराह** पोस्ट **बराह** थाना **रानी तालाब** प्रखण्ड **विक्रम** जिला **पटना** राज्य **बिहार** पिनकोड **801112** के बीच **"कृषक सहभागिता बीज उत्पादन कार्यक्रम"** के अन्तर्गत **धान्य/दलहनी/तेलहनी फसल** के बीज उत्पादन के लिये तैयार हैं, जिसके अन्तर्गत बीज उत्पादक, फसल श्रेणी आधार/प्रमाणित/सत्यापित बीज का उत्पादन करेंगें।

रा०प्र०के०कृ०वि०वि०, पूसा, समस्तीपुर "कृषक सहभागिता बीज उत्पादन कार्यक्रम" के लिए इस अनुबंध उत्पादन की स्वीकार्य शर्तें निम्न प्रकार से है :—

1. बीज उत्पादक द्वारा **"कृषक सहभागिता बीज उत्पादन कार्यक्रम"** के लिये आवश्यक आधार/प्रमाणित/सत्यापित बीज को निर्धारित मूल्य पर विश्वविद्यालय के बीज निदेशालय, ढोली मुजफ्फरपुर से खरीदना होगा। बीज के मूल्य का भुगतान डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से अथवा नगद के रूप या ऑनलाईन अग्रिम राशि के रूप में करना होगा। बीज निदेशालय को प्राप्त राशि किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जायेगा। **बिहार राज्य बीज एवं जैविक प्रमाणिकरण अभिकरण,पटना** द्वारा लगाए जाने वाले शुल्क जैसे पंजीकरण, खेत निरीक्षण, बीज परीक्षण एवं प्रमाणीकरण शुल्क एवं अन्य शुल्क जैसा भी लागू हो, का भुगतान उत्पादक द्वारा ही देय होगा।

Statutory Alert:

1. The authenticity of this Stamp certificate should be verified at https://enibandhan.bihar.gov.in or using enibandhan Mobile App. ... in the details on this Certificate and as available on the website/Mobile App renders it invalid.

1 एकड़ खेती: 3 आय के साधन

गाय पालन (Cow Farming)

गिर, साहीवाल जैसी उत्तम नस्लों का वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन। दूध की दैनिक बिक्री और गोबर से बायो-CNG तथा उत्तम जैविक खाद का निर्माण।

मछली पालन (Fisheries)

1 एकड़ के अनुकूलित फार्म में सालाना 3,000 किलो उच्च कोटि मछली उत्पादन। साल भर बिना किसी जोखिम के अत्यधिक लाभ और पक्का मुनाफा।

बायो CNG + जैविक खाद

गोबर से शुद्ध बायो-CNG गैस और शेष बचे पोषक तत्वों से जैविक खाद का निर्माण। "कचरे से कंचन" के जादुई मंत्र से लागत में ऐतिहासिक कमी।

कुल लागत: ₹9.90 लाख

सालाना शुद्ध मुनाफा: ₹8.10 लाख

सिर्फ 9.5 महीने में निवेश वापस!

दलालों से मुक्ति = 30% मुनाफा

विशेषता / कारक	पारंपरिक दलालों (बिचौलियों) के साथ	GHAG PCL (FPC) के साथ
फसल का दाम	दलाल द्वारा मनमाने ढंग से तय (अत्यंत कम)	**सीधा बाजार दाम (30% तक ज्यादा लाभ)**
तौल और माप	अक्सर गड़बड़ी, अतिरिक्त दलाली शुल्क की कटौती	**पूर्णतः पारदर्शी, आधुनिक एवं सटीक इलेक्ट्रॉनिक तौल**
भुगतान (Payment)	हफ़्तों का लंबा इंतजार और पैसों के लिए चक्कर काटना	**सीधे बैंक खाते में त्वरित भुगतान प्रक्रिया**
अतिरिक्त लाभांश	शून्य (किसान का हक दलाल की जेब में)	**कंपनी के सालाना मुनाफे और बोनस में सीधी हिस्सेदारी**

"दलालों को जड़ से हटाओ, अपनी मेहनत की कमाई का 30% अतिरिक्त हिस्सा सीधे अपने घर लाओ!"

PUSA प्रमाणित बीज: बंपर पैदावार

उन्नत बीज वितरण एवं पैदावार क्षमता

- हमारी कंपनी सीधे **PUSA** संस्थान से प्रमाणित उच्चकोटि के उन्नत और रोग-रोधी बीज किसानों को उपलब्ध कराएगी।
- औसत पैदावार: सामान्य तौर पर **1** एकड़ भूमि से लगभग **10-12** क्विंटल अनाज की शानदार और बंपर पैदावार आसानी से प्राप्त की जा सकती है।
- ये वैज्ञानिक रूप से कीट, रोग और जल-जमाव के प्रति पूर्ण रूप से जैविक प्रतिरोधी किस्में हैं।
- पारंपरिक स्थानीय बीजों की तुलना में **40%** से अधिक की बंपर उपज की अचूक गारंटी।

बीज वितरण एवं बायबैक गारंटी

उत्पादन से लेकर खरीद तक, सुरक्षित और पारदर्शी चक्र

- **शत-प्रतिशत बीज वितरण:** पूसा (PUSA) द्वारा हमारी कंपनी को प्रदान किए गए सभी उन्नत और प्रमाणित बीज सीधे हमारे पंजीकृत किसानों को खेती के लिए बांटे जाएंगे।
- **पूर्ण बायबैक प्रतिबद्धता (Buyback):** किसानों द्वारा उत्पादित सम्पूर्ण फसल को सीधे हमारी कंपनी (GHAG PCL) द्वारा वापस खरीदा जाएगा।
- **MSP + 20% से 30% तक अतिरिक्त मूल्य:** हम सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर कम से कम 20% से 30% अतिरिक्त प्रीमियम/मार्जिन देकर फसल खरीदेंगे (परिस्थितियों के अनुसार)।

इस आदेश से बाजार मूल्य के उतार-चढ़ाव का खतरा पूरी तरह समाप्त हो जाता है और किसानों को अपनी फसल का उच्चतम दाम सुनिश्चित होता है।

बायो-CNG प्लांट: तकनीक और लाभ

यह कैसे काम करता है?

- **इनपुट:** प्रतिदिन लगभग 125 kg शुद्ध गोबर और सामान्य पानी का संतुलित घोल।
- **प्रक्रिया:** उन्नत एनारोबिक डाइजेशन तकनीक के ज़रिए तीव्र gas उत्पादन।
- **आउटपुट:** रोजाना 3 kg रिफाइंड बायो-CNG गैस + 60 kg उच्च पोषक तत्वों वाली जैविक स्लरी (खाद)।

बड़ी बचत और अतिरिक्त कमाई

- **घरेलू ईंधन आत्मनिर्भरता:** घर के लिए मुफ़्त कुकिंग गैस या बाजार में ₹84/kg पर आसान बिक्री।
- **जैविक खेती क्रांति:** रासायनिक खादों (यूरिया, DAP) पर होने वाला खर्च 100% शून्य।
- **मछली चारा पूरक:** प्लांट की बची हुई खाद तालाब में प्राकृतिक मछली भोजन (प्लवक) बनाती है।

कचरे से कंचन: फार्म रीसाइकिल चक्र

ज़ीरो वेस्ट फार्मिंग (Zero Waste Eco-System)

- इस एकीकृत फार्म मॉडल में कुछ भी व्यर्थ नहीं फेंका जाता।
- पशुओं के मलमूत्र से बायोगैस प्लांट को ईंधन मिलता है जिससे रसोई गैस बनती है।
- बायो-CNG से निकलने वाली पोषक प्रचुर स्लरी सीधे मछली के तालाब में डाली जाती है।
- तालाब के तलछट की उपजाऊ जैविक कीचड़ फसलों के लिए अमृत समान खाद का काम करती है।

> **सस्टेनेबल सर्कुलर इकोनॉमी:** एक प्राकृतिक चक्र जिसमें हर अपशिष्ट अगले स्तर की उपज के लिए सर्वोत्तम कच्चा माल बनता है!

मछली पालन: नीला सोना

3,000

किलोग्राम मछली / सालाना उत्पादन

तालाब आधारित खेती से असीमित नकद आय

- पानी आधारित मछली पालन न केवल नियमित नकद आय प्रदान करता है, बल्कि फार्म के तापमान को भी अनुकूल रखता है।
- सालाना शुद्ध मुनाफा: **₹3,60,000** (यह फार्म की कुल वार्षिक आय का लगभग 37% हिस्सा है)।
- बायो-CNG और जैविक खाद के मिश्रण से मछली चारे की लागत घटकर लगभग शून्य हो जाती है।

गाय पालन: दैनिक आय का स्थायी इंजन

श्वेत क्रांति और सुदृढ़ ग्रामीण अर्थव्यवस्था

- **वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन:** गिर (Gir) और साहीवाल (Sahiwal) जैसी उत्तम नस्ल की गायों का चयन, जो बिहार की जलवायु के प्रति पूर्ण प्रतिरोधी हैं।
- **सालाना उत्पादन लक्ष्य:** न्यूनतम **6,000** लीटर शुद्ध पौष्टिक दूध का वार्षिक उत्पादन और नियमित बाजार आपूर्ति।
- **बायो-CNG का मुख्य ईंधन:** डेयरी से प्रतिदिन प्राप्त होने वाला लगभग **125** किलोग्राम ताजा गोबर, जो सीधे बायोगैस प्लांट के सुचारू संचालन का मुख्य आधार बनता है।
- **पोषण की कम लागत:** कृषि अवशेषों (पुआल, दलहनी चोकर) को चारे के रूप में उपयोग करने से आहार की कुल लागत में 40% तक की भारी कमी आती है।

एकीकृत बकरी पालन: चलता-फिरता एटीएम

उच्च-उपज बकरी पालन और तालाब अनुकूलन

- **ब्लैक बंगाल (Black Bengal) नस्ल:** बिहार के लिए सर्वोत्तम नस्ल, जो अपनी असाधारण प्रजनन क्षमता और प्रीमियम मांस गुणवत्ता के लिए देश भर में प्रसिद्ध है।
- **सालाना उत्पादन क्षमता:** प्रति वर्ष 400 किलोग्राम उच्च कोटि बकरी मांस का निश्चित उत्पादन और प्रत्यक्ष विपणन।
- **लेंडी (Goat Droppings) - नाइट्रोजन का स्रोत:** मलमूत्र में प्रचुर मात्रा में NPK (नाइट्रोजन-फास्फोरस-पोटेशियम) होता है, जो रासायनिक उर्वरकों से 5 गुना अधिक प्रभावी जैविक खाद है।
- **तालाब से सीधा एकीकरण:** शेड को सीधे मछली तालाब के तटबंध पर व्यवस्थित कर बकरी के अपशिष्ट को सीधे तालाब में जैविक चारे (प्लवक) के विकास के लिए चक्रित किया जाता है।

खाद डीलरशिप: FPC बनाम प्राइवेट डीलर

तुलना का विवरण	प्राइवेट रिटेल खाद डीलर	घाग FPC (हमारी कंपनी) के पास
कार्य क्षेत्र (Operational Area)	सिर्फ 1 विशिष्ट ब्लॉक तक सीमित	**पूरे बिहार राज्य में बिक्री की अनुमति!**
सिक्योरिटी डिपॉजिट	₹5,00,000 (अत्यधिक वित्तीय भार)	**मात्र ₹2,00,000 (अत्यंत सुलभ)**
भौगोलिक विस्तार	संभव नहीं (स्थानीय प्रतिबंध)	**NABARD की मदद से 5 राज्यों तक विस्तार की क्षमता**
सालाना सरकारी कोटा	मात्र 500 MT प्रति वर्ष	**5,000 MT (10 गुना ज्यादा असीमित क्षमता)**

"प्राइवेट डीलर कभी भी **FPC** की असीमित संगठनात्मक और सरकारी शक्ति का मुकाबला नहीं कर सकता!"

विस्तार मॉडल: हब और सब-डीलर

हब (FPC Hub Model)

बिहार के 10 प्रमुख जिलों को कवर करने वाला केंद्रीय प्रबंधन केंद्र। ₹3.5 करोड़ सालाना शुद्ध लाभ अर्जित करने की विशाल संगठनात्मक क्षमता।

सब-डीलर नेटवर्क (Spoke)

हर जिले और प्रखंड स्तर पर मजबूत उप-डीलर नेटवर्क की स्थापना। ₹10 प्रति बोरी कमीशन मॉडल पर आधारित तीव्र आय व्यवस्था।

रजिस्टर्ड मेंबर लाभ

प्रत्येक पंजीकृत किसान सदस्य को ₹17,500/वार्षिक बोनस तथा खाद, बीज व दवाओं की खरीद पर सीधे ऐतिहासिक बचत और छूट का लाभ।

सालाना मुनाफे का विश्लेषण

- **पशुपालन (58% हिस्सेदारी):** ₹5,65,000 सालाना आय
- **मछली पालन (37% हिस्सेदारी):** ₹3,60,000 सालाना आय
- **बायो CNG + जैविक खाद (17% हिस्सेदारी):** ₹1,71,000 सालाना आय

** यह आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि हमारा एकीकृत कृषि- व्यवसाय मॉडल पूरी तरह से विविधतापूर्ण है और किसानों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित जोखिम- मुक्त आय प्रदान करता है।**

सरकारी सहायता और सब्सिडी

सरकारी योजनाओं का भरपूर लाभ

- **NABARD:** पशुपालन और मत्स्य पालन बुनियादी ढांचे के लिए **33%** तक सीधी सब्सिडी (₹1,17,600 का शुद्ध लाभ)।
- **MNRE:** बायोगैस व बायो-CNG सेटअप के लिए **40%** वित्तीय सब्सिडी (₹2,37,800 की बचत)।
- **राज्य सरकार:** अन्य कृषि मशीनरी एवं कोल्ड चेन पर ₹55,000 की विशेष अतिरिक्त सहायता।
- **बैंक ऋण:** कुल प्रोजेक्ट लागत का 75% हिस्सा आसान किस्तों एवं ब्याज छूट वाले ऋण के रूप में उपलब्ध।

कुल प्रोजेक्ट वित्तीय राहत:

कुल सरकारी मदद: ₹3.55 lakh

आपका निवेश: केवल ₹2.47 lakh (25%)

बाकी का 75% हिस्सा आसान और सुलभ बैंक लोन द्वारा वित्तपोषित करने की सुविधा उपलब्ध।

सामुदायिक प्रभाव: 35 परिवारों का साथ

एक साथ, सबका विकास

- यह दूरदर्शी कृषि योजना सिर्फ एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि 35 ग्रामीण परिवारों के स्थायी भविष्य के लिए है।
- ₹16,400/महीना प्रत्येक किसान परिवार के लिए न्यूनतम स्थायी और सुनिश्चित आय मॉडल।
- सामूहिक मशीनों का साझा उपयोग और स्थानीय स्तर पर आधुनिक मिनी कोल्ड-स्टोरेज की उत्कृष्ट सुविधा।
- सदस्य परिवारों के बच्चों के लिए विशेष शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा चक्र।

हमारी विशेषज्ञता और सदस्यता

कृषि और किसान कल्याण में हमारी विशेषज्ञता

- **दशकों का व्यावहारिक अनुभव:** हमारा मजबूत नेतृत्व और प्रगतिशील किसान नेटवर्क आधुनिक कृषि प्रणालियों का सफल संचालन करता है।
- **शीर्ष वैज्ञानिक साझेदारी:** पूसा (PUSA) अनुसंधान संस्थान के साथ आधिकारिक बीज उत्पादन साझेदारी और विशेषज्ञ मार्गदर्शन।
- **एकीकृत व्यावसायिक मॉडल:** गाय-बकरी पालन, उन्नत मत्स्य पालन और बायोगैस से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की पूर्ण तकनीकी क्षमता।

घाग PCL परिवार का हिस्सा बनें!

आजीवन सदस्यता, बंपर पैदावार वाले बीज वितरण, बायबैक गारंटी और सालाना सरकारी सब्सिडी का पूरा लाभ उठाने के लिए आज ही अपना पंजीकरण कराएं।

पंजीकरण सह सदस्यता शुल्क: ₹2,000 मात्र

यह एकमुश्त (One-time) शुल्क आपको कंपनी का आजीवन शेयरधारक और लाभांश का हकदार बनाता है।

जुड़िये हमारे साथ!

"दलालों को हटाएं, अपनी तकदीर खुद बनाएं।"

मुख्य कार्यालय: कनपा, पालीगंज, जिला - पटना (बिहार)

ghagpcl@outlook.com | +91 - [संपर्क नंबर]

Image Sources

https://cdn.wikifarmer.com/images/detailed/2023/10/pigeon-pea-planting.jpg

Source: wikifarmer.com

---

https://www.yesmagazine.org/wp-content/uploads/2022/12/Rice_1400x840-jpg.webp

Source: www.yesmagazine.org

---

https://earth5r.org/wp-content/uploads/2025/08/Zero-Waste-Farming-Villages-How-Circular-Economy-Principles-Are-Reinventing-Rural-Agriculture-CSR-ESG-EARTH5R-NGO-MUMBAI.webp

Source: earth5r.org

---

https://cf-images.assettype.com/down-to-earth/import/library/large/2023-11-24/0.21730400_1700808600_p42dlpix-image_50415361.jpg?w=1200&h=675&auto=format%2Ccompress&fit=max&enlarge=true

Source: www.downtoearth.org.in

---

https://d1ns4ht6ytuzzo.cloudfront.net/oxfamdata/oxfamdatapublic/styles/news_detail_748x373/public/2023-08/WhatsApp%20Image%202023-08-28%20at%204.42.26%20PM%20%282%29.jpeg?UPUhCdZYNFvTA8H.F2I_0h1tYflh5xFV&itok=RosplPCD

Source: www.oxfamindia.org